ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
ISSN No.: 2347-2944, RNI TITLED No: UPBIL04292,
RNI REG.No.:UPBIL/2014/66218, SOCI.REG. No. 561/2013-14
Vol.-5, No.-I, PP-180-195, YEAR JUNE 2016

एक विश्लेषण
अध्ययन भ्रमण (यात्रा स्मृति)
लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एण्ड पॉलिटिकल साइंस, लंदन (यूनाइटेड किंगडम)

दिनांक 21 नवम्बर से 28 नवम्बर 2015 तक
सौजन्य से
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
एवं
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,
नई दिल्ली भारत सरकार

प्रेषित
डॉ0 अम्बेडकर फाउन्डेशन
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,
नई दिल्ली, भारत सरकार

द्वारा प्रेषित
डॉ0 राजीव कुमार श्रीवास्तव (ग्रुप–प्ट)
असि0 प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग
पी0जी0 कालेज बांसडीह, बलिय (उ0प्र0) – 277202
पिता – श्री सुरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव,
माता – सरोजनी श्रीवास्तव
हरपुर नई बस्ती, बलिया (उ0प्र0) – 277001
मो0 नं0:9616423071/8353962219

आवेदन प्रक्रिया :– किसी भी कार्य को सफल बनाने में किसी माध्यम की भूमिका कभी–कभी अतुल्यनीय हो जाती है, अगर उद्देश्य स्वप्न जैसा हो। दैनिक जागरण समाचार पत्र में निकले विज्ञापन ने कुछ ऐसा कर दिखाया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा जून, 2015 में निकले विज्ञापन को हमने कटिंग कर अपने पास तो रख लिया, लेकिन उसे आवेदन करने का समय 24.06. 2015 को मिला।

आत्म विचार : आवेदन करते समय विज्ञापन से सम्बन्धित भविष्य की बहुत सारी ख्याल मानसिक

पटल पर आ रहे थे। आवेदन करने के लिए किसी का साथ खोज रहा था, लेकिन साथ न मिलने पर, मैं स्वयं आवेदन किया। आवेदन करते समय अपने शैक्षणिक कार्यवाहियों पर पूर्ण विश्वास था कि जो यू0जी0सी0 ने निर्धारित योग्यता तय की थी, कही उससे अधिक थी।

आत्ममंथन व चिन्तन : आवेदन पत्र के साथ डॉ0 भीमराव अम्बेडकर से सम्बन्धित किये गये, शैक्षणिक कार्य व उनसे संबन्धित लेख को पूर्ण रूप में छायाप्रति कराकर, चूँकि यू0जी0सी0 द्वारा सिर्फ दो लेख ही योग्यता प्रदायी था, मैं चार लेख व अन्य में अपना बायोडाटा, जिसमें अन्य जर्नल व लेख में कुल प्रस्तुत लेखों की संख्या 67 थी, को भी संलग्न किया। अर्न्तमन में यही द्वन्द्वता कि चयन होगा या नहीं। समय के साथ–साथ अधिक व्यस्तता होने के कारण मैं विस्मृत हो गया।

हर्षोल्लास : 28 सितम्बर, 2015 दिन–मंगलवार, पर्व रक्षा बन्धन के दिन शाम 6 बजे मेरे ई–मेल पर श्री बी0एल0मीणा सर द्वारा भेजा हुआ मेल प्राप्त हुआ, कि आपकों लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, लंदन के अध्ययन भ्रमण हेतु चयन किया गया है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था, मैं मेल को बारम्बार पढ़ रहा था, जैसे–जैसे पढ़ रहा था, खुशी में गुर्णोत्तर वृद्धि हो रही थी कि कही मैं स्वप्न तो नहीं देख रहा हूँ। ख्याल बस एक ही था कि मैं लंदन जा रहा हूँ। मैं खुशी का प्रथम बार इजहार अपने छोटी बहन के घर ही किया।

मंत्रालयीय तारतम्यता : इसके पश्चात ही मंत्रालय द्वारा जरूरी मेल का आदान–प्रदान शुरू हुआ, बल्कि यह मेरे लिए एक महान अवसर था। सम्भव बनता जा रहा था, लोगों द्वारा सराहना भी किया जाने लगा। हालाँकि, अभिव्यक्ति को शब्दों में व्यक्त करना, अपने आप में अपर्याप्त ही है।

कृजज्ञता : प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में इसमें मेरी मदद की है, प्रत्येक व्यक्ति को उसके प्रति (3) कृतज्ञता की भावना विनम्रता के साथ प्रकट करता हूँ। ऐसा करने के लिए सबसे पहले मैं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली भारत सरकार को धन्यवाद एवं कृतज्ञता ज्ञापित करना चाहता हूँ और साथ ही यू0जी0सी0 को भी। मंत्रालय ने द्वितीत ग्रेड के अधिकारी भारत सरकार के रूप में चयन कर डॉ0 भीमराव अम्बेडकर से सम्बन्धित नई चीजों की खोज के लिए यूनाइटेड किंगडम (यू0के0), लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के भ्रमण करने के लिए एक महान अवसर दिया। चूँकि मेरा चयन ग्रुप III के लिए था, लेकिन पासपोर्ट में तारीख की समस्या के कारण इस ग्रुप में नहीं जा सका, लेकिन मेरी मानसिक परेशानी को देखते हुए श्री मीणा सर ने ग्रुप IV के लिए आश्वस्त किया। मेरा विशेष धन्यवाद श्री बी0एल0मीणा, संयुक्त सचिव, समाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली जिनके कारण अध्ययन भ्रमण मैं कर सका। श्री सुभा ा चौहान, (Sr, Ps.), जिन्होंने मुश्किलों को आसान किया धन्यवाद। श्री टी0आर0 मीणा, सचिव, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (NCSK, MOSJ&E) नई दिल्ली को धन्यवाद, जिन्होंने यात्रा के दौरान मार्गदर्शक और सहयोग दिया, साथ ही श्री सीवीएलएन प्रसाद (डिप्टी सेक्रेटरी D/O SJ & E) और श्री देवी दयाल गौतम (APS) को भी धन्यवाद कि शैक्षणिक यात्रा में हर कदम पर सहयोग किया। मैं सफलतापूर्वक यात्रा को पूरा करने में आप सभी को अंतहीन अर्न्तमन से समर्थन करते है। डॉ0 निलांजन सरकार, (डिप्टी डायरेक्टर – डेवेलपमेंट मैनेजर, साउथ एशिया सेंटर, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स – पॉलिटिकल साइंस, लंदन) और सुश्री फाल्गुनी तिवारी, श्री टिम्स एवं श्री प्रवण गुप्ता, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, लंदन के फेलों थे, जिनका समय बद्धता, सतत् सहयोग और समय पर मदद के माध्यम ने महान शैक्षणिक यात्रा के समापन में योगदान रहा।

मैं अपने माता सरोजनी श्रीवास्तव, पिता श्री सुरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, पत्नी अर्चना श्रीवास्तव, पुत्र भाई–बहन, दोस्त मित्र व सहपाठियों के समर्थन, सहयोग और आशीर्वाद से यह अवसर प्राप्त हुआ, उनके निरंतर समर्थन और शुभकामनाओं के लिए शुभचितंकों का मैं आभारी और ऋणी हूँ।

–डॉ0राजीव कुमार श्रीवास्तव

शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य : इस वर्ष डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर की 125वीं जयंती को प्रतीक वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। डॉ0 अम्बेडकर का सामाजिक राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में बहुत बड़ा योगदान है। आधुनिक भारत के प्रमुख संस्थापकों में से वह एक है। आपका जीवन लाखों लोगों के लिए एक प्रेरणा हैं। आपको अपने बचपन में चुनौती पूर्ण महौल होने के (4) कारण कई गुणवत्ता में कठिनाईयों का सामना करना पड़ा था। आपने दुनिया के अच्छे एवं प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा पूर्ण की, जिसका मुख्य कारण दृढ़ संकल्प, जबरदस्त कड़ी मेहनत और विनम्रता थी। आज डॉ0 अम्बेडकर की दृष्टि, प्रेरणादायक जीवन और विचारों से राष्ट्र नियंत्रित किये जा रहे है, जिससे हमारा विश्वास मजबूत, पूर्ण प्रतिबद्धता सकारात्मक सोच, विवेकपूर्ण योजना, इष्टतम प्रयास, तालमेल पहल और अथक दृढ़ संकल्पित हो रहे है।

डॉ0 अम्बेडकर की 125वीं जयंती पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली–भारत सरकार ने डॉ0 अम्बेडकर के व्यक्तित्व विचारों और आदर्शों को श्रंद्धांजलि देने एवं जश्न मनाने का एक उपयुक्त पहल किया है, जो सराहनीय है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एण्ड पालिटिकल साइंस, लंदन एवं कोलबिया विश्वविद्यालय, यू0एस0ए0 का अध्ययन भ्रमण, भारत सरकार के उन्हीं कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारतरत्न डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के 125वें जयंती को जश्न के रूप में मनाने के लिए ही इस शैक्षणिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य है।

Dr. Ambedkar with the Governor of Maharashtra, Mr. Mangaldas Pakvasa, Rao Bahadur Bole and Prof. V. G. Rao.

Dr. Ambedkar with Mr.Shantaram Annaji Upshyam Guruji at the railway station, Bombay. Guruji was the secretary of the Bombay Scheduled Caste Improvement Trust founded by Dr. Ambedkar. He was the manager of the newspaper Janata started by Dr. Ambedkar at Bombay.

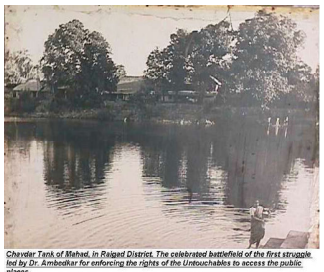

Chavdar Tank of Mahad, in Raigad District. The celebrated battlefield of the first struggle led by Dr. Ambedkar for enforcing the rights of the Untouchables to access the public places.

Dr. Ambedkar watching a football match at Cooperage, Bombay ,organized by the Dr. Ambedkar Sporting Club.

Doctor of Literature, the honoris causa degree being conferred on Dr. Ambedkar by his, alma mater- Columbia University in New York in 1952

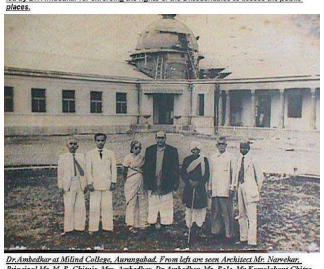

Dr.Ambedkar at Milind College, Aurangabad. From left are seen Architect Mr. Narvekar, Principal Mr. M. B. Chitnis, Mrs. Ambedkar, Dr.Ambedkar, Mr. Bole, Mr.Kamalakant Chitre, Registrar Siddharth College, Mr. B. H. Varale, the then Registrar of Milind College.

Dr.Ambedkar with his wife Mrs. Savita Ambedkar after his cataract conducted at Delhi in 1953. Seen from left are Principal of Siddharth College- Mr Patankar, Mr. Mukundrao Ambedkar (nephew of Dr. Ambedkar), Mr. Bala Kakir and Mr. J. G. Bhatnagar, General Secretary of the Scheduled Caste Federation, Bombay Pradesh, Ex MLA and also the then presidents of Municipal Kamgar Sangh, Bombay.

Reception Committee for Mahad Satyagraha. Seated from left to right are Mr.Keshavrao Adrekar, Mr. Govindrao Adrekar, Karmaveer Sambhaji Thukaram Gaikwad, Dr. Ambedkar, Mr. Mandalekar, Mr. Shivram Gopal Jadhav, and Mr. C. L. Mohite Guruji. Behind them right are Comrade Ramchandra Babaji More and other social workers.

समानता और सामाजिक न्याय से सम्बन्धित डॉ0 अम्बेडकर की विचारधारा को बढ़ावा देने में सामाजिक स्वतंत्रता, धर्म, राजनीति व शिक्षा का बहुत बड़ा योगदान था।

वास्तविक निम्न गुणवत्ता के अनुसंधान का संचालन करने, जानने और अनुसंधानकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के साथ विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र के आयोजन से अनुसंधान की प्रक्रिया लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और इंग्लैण्ड के अन्य कालेजों के अनुसंधानकर्त्ताओं द्वारा सहभागिता भारत के समकालीन मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए चर्चा, सत्र के माध्यम से उद्‌बोधन से एक नये आयाम का स्तर प्राप्त हुआ है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली भारत सरकार भारतीय परिप्रेक्ष्य में समाज के वंचित वर्गों के लिए विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने का कार्य किया गया है।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स एण्ड पॉलिटिकल साइंस, लंदन (यू0के0) एवं कोलम्बिया विश्वविद्यालय, कोलम्बिया (यू0एस0ए0) के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से 25–25 रिसर्च स्कालर को चयन कर भेजने का निर्णय किया। लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स एण्ड पॉलिटिकल साइंस, लंदन (यू0के0) के लिए 25 चयनित स्कालर में एक मेरा नाम भी था।

उत्सुकता जबरदस्त, अभिव्यक्ति अपर्याप्त, खुशी में गुणोंत्तर वृद्धि, लेकिन सब कुछ स्वप्न जैसा। 28 सितम्बर, 2015 दिन मंगलवार पर्व रक्षा बन्धन के दिन शाम 6:00 बजे श्री बी0एल0 मीना का ई–मेल आया कि आपका आठ दिवसीय अध्ययन भ्रमण हेतु चयन किया गया है। मैं मेल को बारम्बार पढ़ रहा था। विश्वास और फिर आश्चर्य हो रहा था कि समस्त भारत से 25 स्कालर चयन में मेरा नाम था। मैंने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में प्रत्येक व्यक्ति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की और मैं ईश्वर का अन्तर्मन से स्मरण किया। चूँकि यू0जी0सी0 के आवेदन योग्यता प्रदायी चयन प्रक्रिया के लिए डॉ0 भीमराव अम्बेडकर से सम्बन्धित किये गये शैक्षणिक कार्य के अन्तर्गत दो लेख ही अनिवार्य रूप से मागा गया था। मैं इस कार्य व अन्य विषय से सम्बन्धित कुल 67 लेखों और जर्नल को, जिसे बायोडॉटा के माध्यम से मैंने संलग्न किया। आन्तरिक यही द्वन्द्वता कि चयन होगा या नहीं लेकिन आवेदन करते समय अपने शैक्षणिक कार्यवाहियों पर पूर्ण विश्वास था कि जो यू0जी0सी0 ने निर्धारित योग्यता तय की थी, मेरी योग्यता उससे कही अधिक थी। मैं खुशी का प्रथम बार इजहार अपने छोटी बहन के घर किया। हॉलाकि अभिव्यक्ति को शब्दों में व्यक्त करना, अपने आप में अपर्याप्त है।

इण्डिया, 21नवम्बर, 2015, शनिवार (दिन पहला) दोपहर 2:05 एयर इण्डिया बोईग 787 नं0 AI

111 से दूरी 7343km, 37000 फीट, की ऊँचाई, तापमान .570C, पे शावर, काबुल, समरकंद, हेलसिंकी, अलमाटी, चेल्याविस्क, सेंट पिटरर्सवर्ग, एम्बसर्डन, कोपेनहेगन, मोगीलॉव, रिगा, लिथुवास्किया, बुडावेस्ट, विलिनियस, डास्क, रोम, वार्सा, होनोलुलु, ग्लास्गो, बरगेन, बासेल, ब्रसेल,रोटर डैम, पेरिस, डोबर, द हेग और रेन नदी के ऊपर से होते हुए शाम 5:30 बजे(भारतीय समयानुसार रात्रि 11:55) हीथ्रो, लंदन एयरपोर्ट पर लैण्ड हुआ। एयरपोर्ट पर उच्चायोग के एक प्रतिनिधि द्वारा स्वागत व ससम्मान हम लोगों को दी स्ट्रैण्ड पैलेस होटल पहुँचाया गया, जहाँ एक्ज्क्यूटिव किंग रूम में ठहरने की व्यवस्था उच्चायोग द्वारा किया गया था, शाम का भोजन होटल में ही हुआ, रात्रि विश्राम के दौरान इंडिया व लंदन के समयान्तराल के बीच सोने में असहज महसूस हो रहा था। दिनांक 22 नवम्बर, 2015, रविवार (दिन दूसरा) हम लोग एक्ज्क्यूटिव किंग ब्रेकफास्ट के बाद होटल से रेड गोल्डेन टूर बस का टिकट व लंदन मैप 22 पाउण्ड में लेकर लंदन भ्रमण के लिए निकल गये, चर्च, लंदन टावर, ब्रिज, बर्किघम पैलेस, वेस्टमिंस्टर कैथेड्रल व अन्य जगहों का कम समय में भ्रमण किया गया। शाम 6:15 बजे होटल की लॉबी में लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) स्टूडेंट एम्बेस्डर्स से मिटिंग का समय निश्चित था। लंदन में भारतीय उच्चायोग भारत के राजनयिक मिशन का एक हिस्सा है। यह बुश हाऊस के बीच एल्डिविच पर इंडिया हाऊस स्थित है। ठीक इसके सामने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और किंग्स कालेज, लंदन स्थित है। सन् 1925 में भारतीय उच्चायुक्त सर अतुल चटर्जी, द्वारा प्रस्तावित और सर हर्बर्ट बेकर द्वारा इमारत का डिजाइन किया गया था। इस इमारत का लाल बलुआ पत्थर भारत से मंगाये गये थे। सन् 1930 में इसका कार्य पूरा कर लिया गया। इसका औपचारिक रूप से उद्घाटन सम्राट जार्ज द्वारा 8 जुलाई 1930 को किया गया। इण्डिया हाऊस के अन्दर डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर हाल व एक

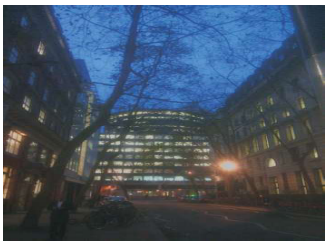

प्रतिमा भी स्थापित की गयी है।

वहाँ पर डॉ0 विरेन्द्र पौल (डिप्टी हाई कमिश्नर), श्री एम0पी0 सिंह (फर्स्ट सेकेट्री, प्रोटोकोल/पी एण्ड एम) के साथ इनफार्मल डिनर का प्रोग्राम था। दिनांक 23 नवम्बर, 2015, सोमवार (दिन तीसरा) को ब्रेक फास्ट के बाद 8:30 बजे सुबह एच0एस0ई0 स्टूडेन्ट्स के साथ मिलकर 9:10 बजे सुबह हम सभी हावर्ड थियेटर गये, जहाँ पर डॉ0 निलांजन सरकार (डिप्टी डायरेक्टर – डेवेलपमेंट मैनेजर, साउथ एशिया सेंटर, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स – पॉलिटिकल साइंस, लंदन) के द्वारा सभी का स्वागत किया गया और इन्फॉर्मेशन पैक दिया गया, वहाँ टेबल टी लेने के बाद एल0एस0ई0 लाइब्रेरी में रजिस्ट्रेशन व सिस्टम के बारे में बताया गया।

The London School of Economics and Political Science (LSE) की लाइब्रेरी की मुख्य विशेषता यह है कि exhibitical, Lectures, Concerts, & Discussions की एक Public Diary तैयार कर दी जाती है, जिससे Student and Public को जानकारी मिल सकें।

अर्थात्, ''एलएसई को विश्व का शैक्षिणिक बैंक कहा जा सकता है'' Ms Sue Donnelly (LSE Archivist) ने डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर से सम्बन्धित Documents dk special exhibition and Lecture दी।

LSE द्वारा Organised, Local restaurant "old cheshire cheese" गये, जो अतिप्राचीन सन् 1666 में निर्माण हुआ था, जो 145 Feet Street , Medieval London में स्थित है। इस Pups or public Houses esa Travellers and Traders आते है। यह लंदन के हैरिटेज लिस्ट में शामिल है। इस Pub की अपनी rich History iconic status & strong association है।

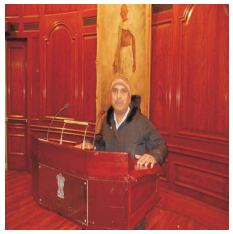

दिनांक 24 नवम्बर, 2015, मंगलवार (दिन चौथा) प्रतिदिन की तरह नाश्ता कर 8:15 सुबह होटल लॉबी में एकत्र होकर 9:35 सुबह west minster, British Parliyament गये, सोने का राजमहल कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी, इस प्रोग्राम को origanised LSE ने किया था। यह west minster मध्य लंदन के क्षेत्र में स्थित है। उसके बाद India House आ गये। 2:30 दोपहर हम सभी लोग British Library के लिए निकले, यहाँ 3:30 दोपहर से 5:00 शाम तक visit time था। यहाँ पर Ms Nur Sobers Khan द्वारा special Tour Organised किया गया था। मध्य काल भारतीय कार्यालय और special exhibition के अन्तर्गत documents देखा गया। ब्रिटिश लाइब्रेरी यूनाइटेड किंगडम को राष्ट्रीय पुस्तकालय है, यहाँ सूचीबद्ध मदों की संख्या से दुनिया में यह सबसे बड़ा पुस्तकालय है। ए ग्रेड में सूचीबद्ध इमारत,

पुस्तकालयों में कई देशों से करीब 170 मिलियन वस्तुओं का संग्रह हैं। यह एक प्रमुख अनुसंधान पुस्तकालय है। यहाँ कई भाषाओं और कई स्वरूपों में प्रिंट और डिजिटल, दोनों पुस्तकों, पाण्डुलिपियों, पत्रिकाओं, अखबारों, ध्वनि और संगीत रिकॉर्डिंग, वीडियों, खेल, लिपि, पेटेंट, डेटाबेस, नक्से, डाक पत्र, डाक टिकट, प्रिंट, चित्र उपलब्ध है। पुस्तकालय में 14 लाख के आस–पास संग्रह शामिल है, जहाँ डेटिंग पांडुलिपियों की पर्याप्त होल्डिंग्स और ऐतिहासिक वस्तुओं के साथ–साथ किताबें, जो 2000 ईसा पूर्व की है, जिसमें पूना पैक्त की मूल पाण्डुलिपि, अम्बेडकर पत्र, Lahor Scroll, akkiyanam, योगा (आसन) की मूलप्रति, 23 अक्टूबर 1928 का साइमन कमीशन का evidence, डॉ0 भीमराव रामजी अम्बेडकर का 1932 का डुप्लीकेट पासपोर्ट, The Untouchables of India writen by Louise Ouwerkerk, Mr. Gandhi and The Emancipation of the Untouchables, Writen by Dr. B. R. Ambedkar किताब एवं मूल पाण्डुलिपि देखने को मिली। Organised by LSE and BL द्वारा आर्गनाइज किया गया था। British Library की विशेषता Planning & Visit थी। Past & British Colonial Period Stories- http://britishlibrary.typepad.co.uk/untoldlives,Speech, Conference Film exhibition मजब की समय तालिका की Book समज उपलब्ध होना, www.bl.uk/whats-on, Philatelic collection, Sir John Ritblate Gallery, Music Collection, South Asian collection- www.pl.uk/subjects/south-asia लंदन के किसी भी Old Bulding और Library के अन्दर Flash Photography, Pic Soundless, Cell Phoon Sound off Clean dry Hands, Coats, Bags, Umbrellas, Pens Highlighters, Sharp implements, (चाकू एवं कैंची) Food, Drink, Bottled water, Sweets and gum शक्ति के साथ मना है। प्रत्येक जगह Booklet एवं Map उपलब्ध है। इसलिए British Library for the kings Library, Friends of the British Library and British Library is Business & IP centre." कहा गया है।

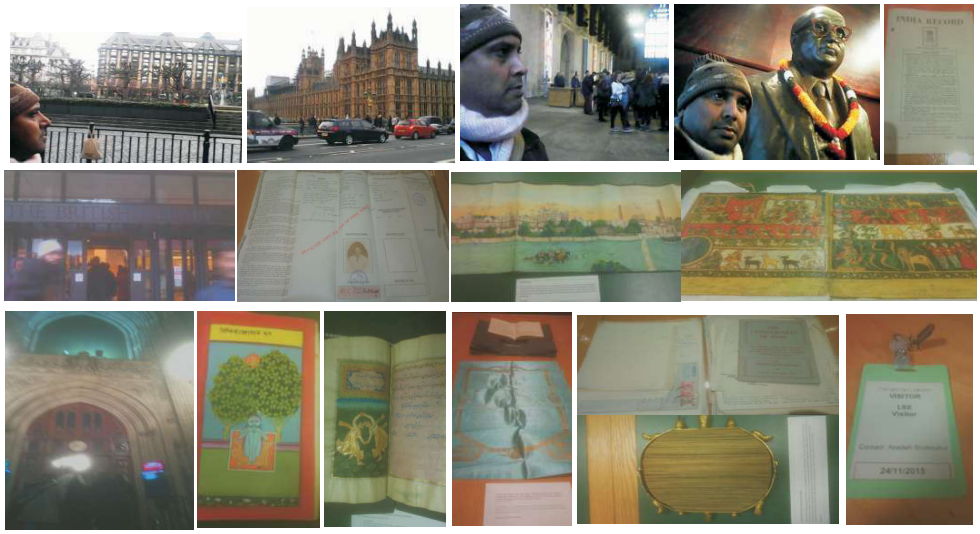

दिनांक 25 नवम्बर, 2015, बुधवार (दिन पांचवाँ) 8:30 सुबह तेजी के साथ ब्रेकफास्ट करते हुए प्रतिदिन की तरह होटल लॉबी में एकत्र हुए। क्योंकि 8:30 सुबह से 12:30 दोपहर तक The Royal observatory (GMT) का Visit था। से हम लोग Luxry Bus से वहाँ पहुंचे, वहाँ बारिस हो रही थी, छतरी लेकर भंयकर सद्री और हवा के थपेड़ों का आनन्द लेते हुए, The Royal Observatory (Greenwich Meridian) पहुंचे, जो रॉयल वेधशाला ग्रीनविच के रूप में जाना जाता है। यह संस्थान रॉयल ग्रीनविच वेधशाला के रूप में काम कर रहा है। यह द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ग्रीनविच के इतिहास में खगोल विज्ञान और नेविगेशन के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई है। यह वेधशाला टेम्स नदी ग्रीनविच पार्क में एक पहाड़ी पर स्थित है। इस वेधशाला की नींव का पत्थर राजा चार्ल्स द्वितीय ने 10 अगस्त, सन् 1675 मे रखकर शुरूआत की थी। इस स्थान का चुनाव सर क्रिस्टोफर रेन द्वारा किया गया था। वैज्ञानिक कार्य के लिए 20वीं सदी के पहली छमाही के पहले चरण में दुसरे जगह स्थानान्तरित कर इस जगह को संग्रहालय के रूप में विकसित किया गया। यह जगह लंदन से भी ऊँचा है। यहाँ पर ऐसा लगता है कि आसमान व जमीन का मिलन स्थल है। जितनी खूबसूरत जगह, उतनी तेज सर्द हवा। हमने नियत समयानुसार (watch Musume) घडी संग्रहालय के साथ वहाँ लगे टेलीस्कोप से ऊँचाई से लंदन को पास में महसूस किया। अनेकों तरह से फोटोग्राफी की गयी, साथ ही घड़ियों की भी। घड़ियाँ मध्यकालीन की थी। अति आश्चर्यपूर्ण ढंग से संग्रहित किया गया है। GMT (Greenwich meridian) ls Greenwich Pier आये, वहाँ से हम लोग Thames River पर city cruises से जिसकी व्यवस्था HCI द्वारा किया गया था, westminster Pier के लिए निकले। Greenwich Pier पर Cutty Sark, Boat को देखा गया, जिससे पहली बार कोलम्बस ने यात्रा किया था। रास्ते में Royal Naval College, Canary Whart, Tower Bridge, The shard, Tower of Londan, Tower Gateway, London bridge, The Gherkin, Southwork Bridge, Tate Modern Millennium Bridge, St. Paul's Cathedral, Blackef riars Bridge, waterloo Bridge, oxo Tower London eye, Place of whitehall westmister bridge & House of Parliament होते हुए 12:30 बजे दोपहर westminster Pier पहुंचे।

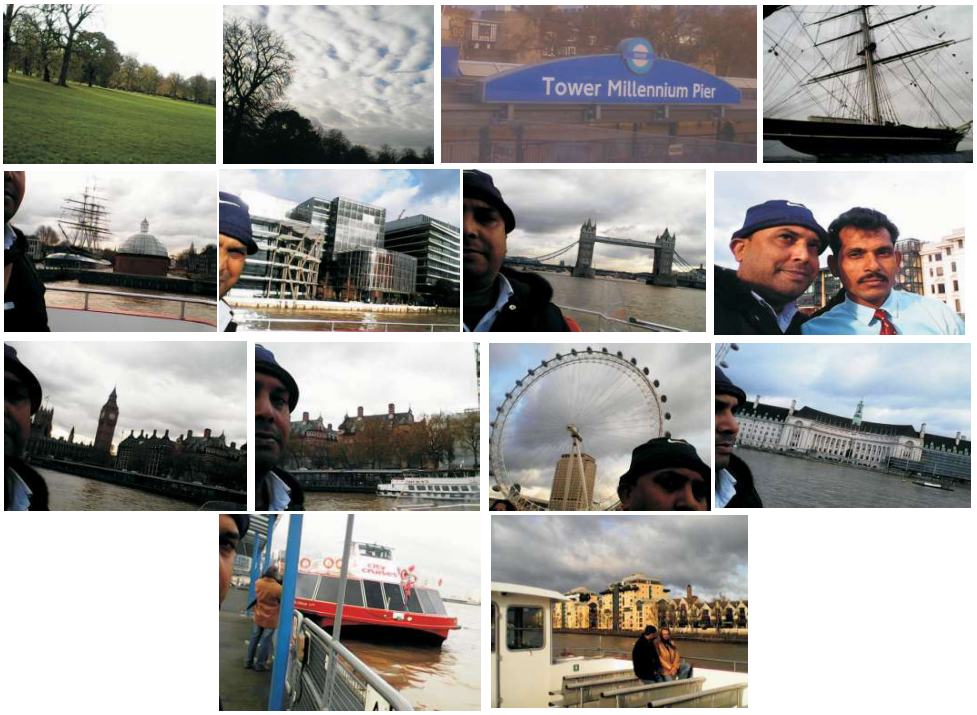

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर –योग्यता–बी0ए0, एम0ए0, एम0एस–सी0, डी0एस–सी0,पी–एच0डी, ए ल 0 ए ल – ड ी 0 , ड ी 0 ि ल ं ट , बैरिस्टरएट्लॉ0बी0ए0–बम्बई विश्वविद्यालय, एम0ए0–कोलम्बिया विश्वविद्यालय (USA) न्यूयार्क, एम0एस–सी0–लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स, पी–एच0डी0–कोलम्बिया विश्वविद्यालय (USA) न्यूयार्क, डी0एस–सी0–लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स (डॉक्टर ऑफ साइंस), एल0एल–डी0–कोलम्बिया विश्वविद्यालय (USA) न्यूयार्क, डी0लीट्–ओस्मॉगिया विश्वविद्यालय (डॉक्टर ऑफ लिटरेचर), बैरिस्टर एट् लॉ – गेज् इन् लंदन, वकालत – रॉयल कोर्ट ऑफ इंग्लैण्ड, इलेमेन्ट्री एजुकेशन–1909 सतारा, महाराष्ट्र, मैट्रीकुलेशन, 1907 एलिफिस्टन हाई स्कूल बम्बई,इण्टर 1909, बी0ए0–1912 JAN एलिफ्रिस्टन कालेज, बम्बई, बम्बई विश्वविद्यालय, एम0ए0–अर्थशास्त्र, एम0ए0–1915 राजनीति विज्ञान,Ph.D. 1917 राजनीति विज्ञान, कोलम्बिया विश्वविद्यालय, न्यूयार्क, M.Sc- 1921 लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, लंदन, D.Sc.-1923 लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, लंदन, L.L.D. 1952 कोलम्बिया विश्वविद्यालय, न्यूयार्क, डी0लिट्0 –1953 आनर्स और विश्वविद्यालय, हैदराबाद। इस अम्बेडकर भवन को महाराष्ट्र सरकार, भारत द्वारा नवीनीकरण का उसे डॉ0 भीमराव रामजी अम्बेडकर स्मारक के रूप में विकसित किया, जिसका एक सादे समारोह में उद्घाटन 14 नवम्बर, 2015 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीश द्वारा सामाजिक न्याय हितार्थ् सर्मिपित किया गया। डॉ0 अम्बेडकर सन् 1921–22 LSE में D.Sc. पढ़ते समय यह उनका निवास था। जिसे महाराष्ट्र सरकार ने खरीदा, जिसकी कीमत 3.2 पाउंड के बीच है। इस निवास को महाराष्ट्र सरकार स्मारक सह–अनुसंधान केन्द्र के रूप में विकसित

करने का फैसला किया। यह निवास 2050 वर्ग फुट में है। डॉ0 अम्बेडकर लंदन में डी0एस–सी0 की पढ़ाई करते समय इस तीन मंजीले घर में रहते थे।

श्री मोदी ने कहा कि ''इस स्मारक के द्वारा डॉ0 अम्बेडकर के समाज के सामाजिक–आर्थिक रूप में पिछड़े वर्गो को सशक्त करने में भारी योगदान को याद किया जायेगा।'' जबकि श्री फडणवीश ने कहा कि ''अपनी पढ़ाई का पीछा करते हुए, अम्बेडकर लंदन से जिस घर में रहते हुए LSE में पढ़ाई की, मैं उस घर में प्रवेश का अभिभूत हूँ। मैं यकीन करता हूँ कि यह स्मारक आगे आने वाले पीढ़ियों के लिए महान प्रेरणा बनेगा। श्री फडणवीश ने यह भी कहा कि LSE में पढ़ने के लिए 2 दलित छात्रों को हर वर्ष पुरस्कार देने का हमारी सरकार ने फैसला किया है। (स्रोत–शुभांगी खापरे, इण्डियन एक्सप्रेस, प्रकाशित मुम्बई, 15 नवम्बर, 2015)।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एण्ड पॉलिटिकल सांइस, (LSE) लंदन : – अर्थशास्त्र और राजनीति के रूप में लंदन सकूल ऑफ इकोनॉमिक्स को जाना जाता है। यह लंदन में स्थित एक सार्वजनिक अनुसंधान विश्वविद्यालय है। यह इंग्लैण्ड और लंदन का संघीय विश्वविद्यालय का संघटक कालेज है, जो सन् 1895 में फेबियन सोसाइटी द्वारा स्थापित हुआ, संस्थापकों में सिड़नी वेब्ब, बैरन पासफिल्ड, बीट्राइस वेब, ग्राहमवेल्स व जार्ज बर्नार्ड शॉ प्रमुख थे। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स सन् 1900 में पहली बार अपने नाम से सन् 1902 में छात्रों को डिग्री जारी की। LSE में 70% अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों की सहभागिता हैं जो उच्चतम अनुपात की दृष्टि से सम्पूर्ण विश्व में दुसरे स्थान पर है। यह प्रथम श्रेणी में

शिक्षण और अनुसंधान आयोजित करता है। गणित, साांख्यिकी, मीडिया, मानवशास्त्र, भूगोल, सार्वजनिक मामलों और अन्तर्राष्ट्रीय इतिहास के दृष्टि से विश्व में एक अग्रणी संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसमें लगभग 9500 पूर्णकालिक छात्र है, 3000 कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व है। LSE स्कूल घटक शैक्षणिक विभागों और 25 अनुसंधान केन्द्रों में आयोजित किया जाता है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, LSE लाइब्रेरी और लाइब्रेरी कार्ड से एवं LSE द्वारा जारी व सम्मानित डॉ0 अम्बेडकर सबसे महत्वपूर्ण छात्रों में से एक थे जो 9 भाषाएं मराठी (मातृभाषा), हिन्दी, संस्कृत, गुजराती, अंग्रेजी, पारसी, जर्मन, फेंच व पाली जानते थे। उन्होंने पाली व्याकरण और शब्दकोष (डिक्सनरी) भी लिखी थी।

योगदान :– डॉ0 अम्बेडकर द्वारा संसद में पेश किए हुए बिल, महार वेतन बिल, हिन्दू कोड बिल, जनप्रतिनिधि बिल, खोती बिल, मंत्रीयों का वेतन बिल, मजदूर के लिए वेतन बिल, रोजगार विनमय सेवा, पेंशन बिल एवं भविष्य निर्वाह निधि (पीएफ) बिल, उनके द्वारा चलाये गये आंदोलन में महाड, मोहाली, अम्बादेवी मंदिर, पूरे कौन्सिल, पर्वती, नागपुर, कालाराम मंदिर, लखनऊ, मुखेडका आंदोलन प्रमुख है। उनके द्वारा स्थापित समाजिक संघटन में प्रमुख बहिष्कृत हितकारिणी सभा, समता सैनिक दल, राजनीतिक संगठन में प्रमुख स्वतंत्र मजदूर पार्टी, शेड्युल्ड कास्ट फेडरेशन, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंण्डिया, धार्मिक संगठन में भारतीय बौद्ध महासभा, शैक्षिणीक संगठन में डिप्रेस क्लास एजुकेशन सोसाइटी, पीपुल्स एजुकेशन सोसाइटी, सिद्धार्थ कालेज, मुम्बई, मिलींद कालेज औरंगाबाद, उनके द्वारा संपादित अखबार एवं पत्रिकाएं मुकनायक, बहि कृत भारत, समता, जनता, प्रबुद्ध भारत प्रमुख है। डॉ0 अम्बेडकर ने अपने जीवन में 527 से अधिक विभिन्न विषयों पर भाषण दिया है। आपको भारतरत्न, दी ग्रेटेस्ट मैन इन दी वर्ल्ड (कोलम्बिया विश्वविद्यालय), दी यूनिर्वस मेकर (आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय), दी ग्रेटेस्ट इंण्डियन (सीएनएन आईबीएन एण्ड हिस्टोरी टीवी 18) प्राप्त है। आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, लंदन में स्थित एक मंडल अनुसंधान विश्वविद्यालय है। यह दुनिया का सबसे पुराना अंग्रेजी भाषी विश्वविद्यालय है। यहाँ विश्व प्रसिद्ध 100 से अधिक पुस्तकालय है। छात्रों द्वारा छात्रों के लिए 400 क्लब, स्पोर्टस क्लब, 85 अन्य समाजों के लिए क्लब बनाये गये है। 51 नोबेल पुरस्कार विजेता, ऑक्सफोर्ड व दुनियाभर में 200 पूर्व छात्र समूह ऑक्सफोर्ड से जुडे है। Library से बाहर निकल Oxford city देखने के लिए निकले।

दिनांक 26 नवम्बर, 2015, वृहस्पतिवार (दिन छॅठा) प्रतिदिन की तरह आज नास्ता करने के बाद हम सभी 10:00–11:30बजे तक Special Lecture Lord Meghned Desai (Followed by Q&A) at Ambedkar Hall, Andia House, HCI on" A Revolutionary Act : The making at the Indian Constitation ij Lecture दिया। प्रोफेसर देसाई का व्याख्यान बहुत सारगर्भित था, आपने संविधान की रचना, संविधान का लागू होना एवं उसके प्रभाव को रेखांकित किया। अपरान्ह 12:00 से 2:00 बजे तक समय Foreign & Common wealth office के लिए नियम था। हम लोग PM office, commonwealth meeting office कर निरीक्षण किया। भारतीय शियासत एवं वहाँ से सम्बन्धित गवर्नर के सूची देखने को मिली।

उसके बाद HCI द्वारा working Lunch किया गया। 3:00 से 6:30 बजे LSE Library के रिसर्च समय अनुसार हम उपस्थित हुए। शाम 6:30 बजे DSC South Asian Library होते हुए होटल वापस आ गये।

दिनांक 27 नवम्बर, 2015, शुक्रवार (दिन सातवाँ) LSE लाइब्रेरी में ही रिसर्च टाइम था, 1:30 बजे से 3:00 बजे तक इंडिया हाऊस HCI को अम्बेडकर हाल में प्रोफेसर जावेद मजीर, (तुलनात्मक साहित्य विभाग, किंग्स कालेज, लंदन) जो आपने भारत के संविधान की भाषा पर व्याख्यान दिये। तुरन्त बाद नियत समयानुसार शाम 3:00 बजे से 4:00 बजे तक रिसर्च टाइम LSE के लिए था। शाम 4:00 से 5:30 बजे तक पैनल डिस्कशन प्रोफेसर सुचिता सक्सेना, (निदेशक, चौधरी सेंटर बाग्लादेश अध्ययन, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय), बार्केल और प्रोफेसर डेविड लेविस (मुख्य समाज नीति विभाग, न्यू एकेडमी बिल्डिंग, LSE) ने वर्तमान की समाज नीति पर प्रकाश डाला, उसके बाद शाम 5:30 The Atrium, old Building, LSE में ही डॉ0 अम्बेडकर के मूर्ति के सामाने ग्रुप फोटोग्राफी हुआ। शाम 6:00 से 7:30 बजे तक फेयर वेल मिटिंग हुआ।

दिनांक 28 नवम्बर, 2015, शनिवार (दिन आठवाँ) प्रतिदिन की तरह जल्दी ब्रेकफास्ट किये क्योंकि आज हम लोगों को इंडिया वापस आना था। एक तरफ तो घर की खुशी थी, तो दुसरी तरफ लंदन छुटने का गम भी था। कार्यक्रम के अनुसार लंदन में आज के दिन कोई ऑफिशियल विजिट नहीं था। सबसे पहले, हम और साथ में CVLN Prasad (Deputy Secretary) कोका कोला लंदन आई गये, वहाँ हमने पाउण्ड 32.99 में टिकट लिया। लंदन आई का आनन्द लिया। लंदन आई यॉनि ऐसा झूला जो निरन्तर धीमी गति से चलता हुआ कुछ ही मिनट में अपने को लंदन के सबसे ऊँची इमारत से 100 मीटर ऊपर अपने आपकों निरन्तर धीमी गति में गतिमान पायेगें। जमीन से क्षैतिज दूरी पर पूरा लंदन आपसे नीचे नजर आता है। लंदन आई टेम्स नदी में समानान्तर किनारे पर स्थित है। केबिन से एक अद्भुत नजारे की फोटोग्राफी एवं विडियों ग्राफी होती रही जबतक हम नीचे नहीं आये।

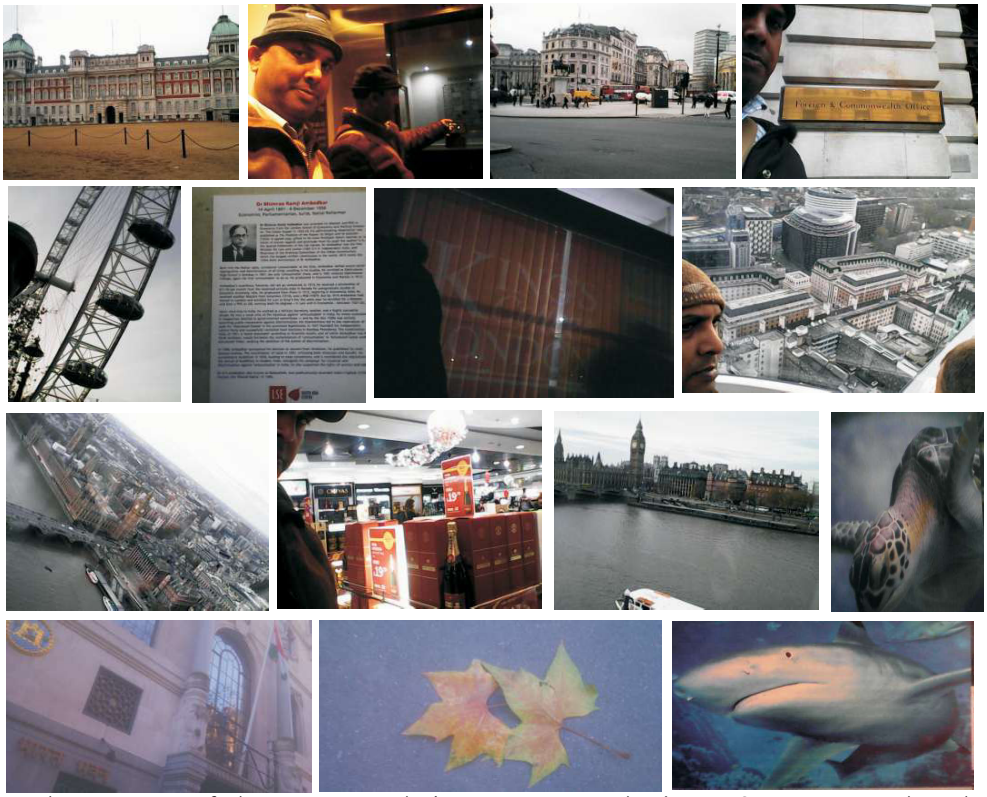

उसके बाद लंदन आई के पास वाटर लू में मैरीन लाइफ/सी लाइफ के अन्तर्गत एक्वेरियम में गये, जहाँ अपने आपकों समुद्र के बीचोबीच पाया एक तरफ अपने पास से शार्क का गुजरना तो दूसरी तरफ सी–ड्रैगन तो एक तरफ पेग्वीन बर्फ के बीच, तो दूसरी तरफ मछलियों का झुण्ड अद्भुत रहा।

इसके बाद हम दोनों London Taxi से Primox Moll गये जहाँ से कुछ sopping किया गया, वहाँ तुरन्त London Taxi द्वारा हम लोग The Strand Palace Hotal पहुंचे बारिश रिमझिम हो रही थी, समय 3:30 बजे शाम हो रहा था, सागर रेस्टोरेट में इण्डियन खाना खाया हमने पास से TCS Mall से चाकलेट व दुसरे Mall keyring, Pen Dairy, Magnet, Londan Momento लिया। शाम 5:00 बजे हीथ्रो एयरपोर्ट के लिए होटल से बस थी। हम सभी हीथ्रो पहुँचकर ''चिवास–18'' काकटेल गये, अनेकों प्रकार के वाइन देखने को मिला।यहाँ से जॉनी वॉकर व जैक्ब्स क्रीक लिया। हमने हीथ्रो शापिंग सर्विस की उच्च व्यवस्था देखी। हीथ्रो सलेक्ट माल में गये, जहाँ अनेकों प्रकार के गिफ्ट और स्टाइल देखने को मिला। हीथ्रो एयरपोर्ट के शापिंग माल से ड्यूटी फ्री खरीदारी की जा सकती थी, चूँकि क्रिसमस का समय चल रहा है, तो पूरे लंदन में क्रिसमस मेला का धूम था, हर जगह विशेष छूट का ऑफर चल रहा है। हम लोगों की फ्लाइट AI 112 एयर इण्डिया के बोइंग 787 से 9:30 रात्रि दिल्ली के लिए टेकऑफ हुआ, इण्डियन टाइम के अनुसार 1:30 बजे मध्यरात्रि की उड़ान थी। भारतीय समयानुसार 11:30 बजे इन्दिरा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, दिल्ली पहुंच गये।

इस तरह अतिप्रचीन, सुसंस्कृत और सभ्य जगह जाने व कुछ सीखने का निश्चित रूप से मेरे मन में उमंग भरा हुआ था। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, ब्रिटिश संसद, भारत के उच्चायुक्त कार्यालय, उपरोक्त सभी स्थानों जहाँ हम लोगों का विजिट समयान्तर्ग निर्धारित था, सभी जगहों के लिए विशेषज्ञों का होना, उनके साथ इंटरैक्टिव सत्र होने से निःसंदेह बहुत ज्यादा हम लोगों के लिए समृद्ध व लाभप्रद था। हर पल, हर कदम हर दिन हमारे लिए सीख था। हॉलाकि डॉ0 अम्बेडकर से जुड़ी बहुत सी बातों से हम पूरी तरह अनजान थे। भारतीय रिजर्व बैंक के गठन, भारत में वित्त आयोग, विद्युत बोर्ड की योजना की अवधारणा 12 घण्टे काम के बदले 8 घण्टे काम एक दिन में, हिन्दू कोड़ बिल को शुरू करने, लागू करने में योगदान, उपेक्षित व श्रमिक वर्गों के समाज के कल्याण के लिए लड़ाई में विशेष योगदान था। एचसीआई में उपलब्ध हिन्दी, अंग्रेजी अखबार, पत्र–पत्रिकाओं खासकर इण्डियन खाना बहुत ही खास रहा। लंदन में रहने वालों की जीवनशैली, संस्कृति, समावेष से बहुत कुछ सीखने को मिला। उनकी व्यापक उदारता, सहायता करने की प्रकृति, मेहनती स्वभाव व अध्यात्मवाद से जुड़ा सबसे अच्छा अनुभव रहा। मैं बहुत ज्यादा इंग्लैण्ड की शिक्षा प्रणाली को समृद्ध और मजबूत महसूस किया। लंदन में शिक्षण संस्थाओं के वातावरण बहुत ज्यादा उपयोग कर्ता के अनुकूल और आरामदायक है, जो छात्रों को जानने के लिए प्रेरित कर रहे है। अध्यात्म, ध्यान, सहयोग वास्तव में लंदन के लोगों में बहुत अधिक है, जो धर्म के समान है। उनकी सहयोगात्मक प्रवृत्ति दान स्वरूप है।

वास्तव में, इंग्लैण्ड बहुत अमीर और आर्थिक दृष्टिकोण से हमसे 108 गुना आगे हैं लेकिन अमीर होने का विचार उनके मन में बिल्कुल नहीं है। अमीर और गरीब का कोई सामाजिक असमानता उनके बीच नहीं है। मैने इस वास्तविकता का अनुभव किया, जो पूरे लंदन में है। हॉलाकि लंदन की इस प्रशंसा से भारत बहुत अलग हैं। इस पर मंथन की आवश्यकता है। लंदन में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति हमेशा खुश, तत्पर और अपने यहाँ की सभी पर्यटन स्थल, रेड बिग बस, गोल्डेन टूर बस, टैक्सी, पैलेस तथा अन्य स्थानों का प्रदर्शन (Expose) व तारीफ करता हुआ दिखाई दिया, लेकिन अद्भुत शान्ति थी। सभी जगहों का टिकट सभी होटलों, रेस्तराँ आदि में उपलब्ध है। लंदन की सड़क पर 100 मीटर पर जेब्रा पार्किंग, रेड,

ग्रीन येलो, रोड लाइट, रोड मैप इलेक्ट्रॉनिक, डिवाइस, सीसी कैमरा, रेड पब्लिक टेलिफोन बूथ के साथ उपलब्ध है। सड़क के किनारे, बिग पब्लिक फुटपाथ पर चलने का आनन्द ही कुछ और है। क्योंकि वहाँ कि अधिकाधिक पब्लिक, कार व मोटर साइकिल का प्रयोग नहीं करती, बल्कि बिग फुटपाथ का प्रयोग करती है। बिग फुटपाथ पर ही स्टैंड में अखबार और पत्रिकाएँ रखी हुई मिली। सड़क किनारे बिग फुटपाथ पर ही राजकीय साइकिल स्टैण्ड है, जिसमें 10–20 साइकिल लगी हुई है, वहीं कैशबैग लगा हुआ है, जिसमें क्वाइन डालने पर एक साइकिल अपने आप खुल जाती है, प्रयोग करने के बाद अगले स्टैण्ड पर आप ऑटोमैटिक जमा कर देते। शापिंग मॉल में स्वयं कैश जमा करने की सुविधा है। लाइब्रेरी, होटल, मॉल या स्मारक में पूर्णतः हाइजैनिक व्यवस्था हैं वहॉ कोई भी व्यवस्था व कार्य 100 प्रतिशत में 100 प्रतिशत में तैयार किया जाता है। किसी भी कर्मचारी को उसके कार्य के प्रति नोटिस देने की आवश्कता नहीं है, क्योंकि वह अपने कार्य के प्रति समर्पित व निष्ठावान है। सड़क बनाने में कंकरीट के परत के निचे लकड़ी का चुरा/बुरादा देखने को मिला, जानने पर पता चला कि स्पंज व धूल रहित के लिए प्रयोग किया जाता है। पूरे लंदन में सड़क किनारे व पार्क में चिनार का पेड़ दिखने को मिला, जिसके पते लंदन के सड़कों पर आजादी से उड़ते नजर आयें। अन्य किसी प्रकार के पेड़ देखने को नहीं मिला। कहा जा सकता है कि लंदन ट्री अर्थात नेशलन ट्री के रूप में चिनार का पेड़ है। इस चिनार व सेव के पेड़ को अंग्रेज काश्मीर में भी लाये थे, कारण यह था कि काश्मीर का वातावरण इंग्लैण्ड के वातावरण से लगभग मिलता जुलता है। इसीलिए कही–कही झण्डे पर भी पत्ते दिखाई दिये। लंदन में चाकलेट, वाईन, नानवेज के अनेकों प्रकार की धूम रही। पूरे लंदन में जितनी भी बिल्डिंग या स्मारक है एक से बढ़कर एक, लेकिन इनकी डिजाइन व इन्फ्रॉस्ट्रक्चर की विशेषता थी कि ये एक–दूसरे से बिल्कुल अलग है। पूरे बिल्डिंग में पाइप, नट, बाल्टू, प्लाई, लकड़ी, स्टील व कालीन का प्रयोग दिखाई दिया। पूरे लंदन में कामन परफ्यूम व होटल, रेस्तरॉ, माल में डलिया में रखा महताब का खुश्बू मिला। च्यूंगम का अधिक प्रयोग सड़कों पर देखने को मिला। लंदन पर्यावरण के विकास का लक्षण दिखाई देता रहा। धूल का एक भी कण नहीं मिला। कोआ, कबूतर और साइबेरियन पक्षी के अलावा अन्य कोई पक्षी नहीं दिखाई दिया। कह सकते है कि 'लंदन पर्यावरण मित्रता का एक उदाहरण है।'

अध्ययन दोरे से सम्बन्धित जिस दिन मुझे मेल मिला, उस दिन से मैं डॉ0 अम्बेडकर से जुड़ी बातों का गहन अध्ययन प्रारम्भ किया। खास कर LSE से जुड़ी बातों का। भारतीय संविधान में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के आरक्षण के लिए जो काम किया है, वह सामाजिक नेता डॉ0 अम्बेडकर थे। उनके संदेश को प्रसार न करना, एक अन्याय होगा। विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों एवं सिद्धान्तों व संदेशों का योजनापूर्वक तरीको से प्रसार आम लोगों व छात्रों के साथ उनकी विचारधारा पर कार्यशालाओं का आयोजन होना चाहिए। डॉ0 अम्बेडकर, जो न्याय और अधिकारिता, कड़ी मेहनत व लम्बे जीवन तथा समाज के उपेक्षित वर्गों के विकास के लिए लड़ते रहे।

डॉ0 अम्बेडकर से जुड़े इस मिशन व चुनौती पूर्ण विदेश यात्रा ने मेरे शैक्षणिक जीवन को बदलने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, मंत्रालय, नई दिल्ली को धन्यवाद जिसने मुझे लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की अध्ययन यात्रा का अवसर दिया। लंदन में डॉ0 अम्बेडकर से जुड़ी LSE, Oxford, British Library, Royal Palace, GMT व अन्य जगहों का अध्ययन यात्रा एक महान सपना था, जो सच पूरा हुआ। मेरे लिए फायदेमंद है। यह यात्रा एक शैक्षिक अधिगम यात्रा ही नहीं था, बल्कि ध्यान देने योग्य यह भी है कि दलबन्दी और व्यक्तिगत स्वार्थ / दलदल से निकलकर सिर्फ अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च स्थान देते है और एक बेहतर जीवन जीने के तरीके के बारे में भेदभाव न रखते हुए सभी का स्वागत करने और बहुत कुछ सीखने को इंग्लैण्ड के लोगों से मिली हैं। ''इस यात्रा ने डॉ0 अम्बेडकर के मूल संदेश के रूप में हमे एक महान व्यक्ति के लिए समाज सेवक के रूप में तैयार किया है।''

*****